एक कलि खिलते समय

एक सुबह उठकर मैं देखी
मेरे आँगने में रखा हुआ एक गुलाब
वो लाल गुलाब .... खिल रही है
एक कलि खिलते समय . . .

मैं उस खूबसूरत फूल को देखी
एक पुष्प खिलते समय
हम कितनी कौतूहल से उसे देखते हैं ?
एक कलि खिलते समय . . .

मैं उस गुलाब को देखी
उसके लाल चेहरे पर अटकी हुई ओस में,
सूरज की धूप पडकर कैसे चमक रहे हैं ?
एक कलि खिलते समय . . .

मैं उस चमकते हुए चेहरे को देखी
कितनी खूबसूरत लग रही है
कई रंग के तितलियाँ उसके ऊपर घूम रही हैं
एक कलि खिलते समय . . .

यह सब देखते ही, मैं किसी सोच में गिर गयी
एक फूल खिलते समय,
हमारे मन में कितनी आशंकाएँ उगती हैं ?
एक कलि खिलते समय . . .

मैं गहरी सोच में पड गयी
जब एक बेटी पैदा होते हो,
तब माँ-बाप के मन भी खुश होते हैं
एक कलि खिलते समय . . . .

मेरी सोच भी मेरी बचपन की ओर बदल गयी
मैं भी इसी तरह एक कलि थी,
एक लाल गुलाब . . .
एक कलि खिलते समय . . .

मैं अभी भी याद करती हूँ,
कैसे माँ-बाप ने मेरी चारों तरफ बंद कर दिया था . .
मैं सभी तरफ देखी, सब खुलापन में खेल रही रहे हैं
एक कलि खिलते समय

मैं याद करती हूँ उस अंधेरे दिनों . .
कैसे मैं उम्मीद करती थी उस खुले आसमान को देखने केलिए
मैं नफरत करती थी . . . सभी को, मेरे इस विधि को
एक कलि खिलते समय

KERALA SCHOOL KALOLSAVAM-2017
PROGRAMME COMMITTEE

मैं आसमान को देखकर, उसी सोच में पड़ गयी
जैसे ही दिनों बढ़ने लगे, मेरे सहेलियों को नहीं देखी
किसी ने उन सुंदर फूलों को उगा दिया ...
एक कलि खिलते समय ...

मैं उसके कारण सोचती रही ...
सभी फूलें बहुत खूबसूरत थी ... फिर भी ...
लेकिन मुझे क्यूँ नहीं उगा ?
एक कलि खिलते समय ...

मैं उसका कारण समझ गयी
जब मैं बहुत छोटा था, तब मेरी चारों तरफ बंद हुई थी
और जब मैं बड़ा हुआ तब मुझे खुलापन में भेज दी
एक कलि खिलते समय ...

मेरी आँखें आँसू से भर गयी
शायद मुझे बाँध नहीं होती ...
तो मैं भी किसी के पाँव के नीचे दबे होती
एक कलि खिलते समय

मेरे दिल की अंदर से एक एहसास हुआ
तब मैं समझ गयी उनकी प्यार ...
अब मुझे 'खुलापन' डर नहीं है
एक कलि खिलते समय ...

मुझे अचानक, धीरता का अहसास हुआ
हाँ, मैं लड़की हूँ, लेकिन मुझे डर नहीं है ..
मेरे बचपन में ही धीरता मिला है ... और उम्मीद ...
एक कलि खिलते समय ....

मैं सोच से वापस आयी
उस गुलाब के लाल चहरे को देखी
कितनी खूबसूरत से मुसकरा रहे हो
एक कलि खिलते समय ....

मैं मन में यह निश्चय भी किया कि
मैं पहले इसके चारों तरफ बंद कर दूँगी
पानी, धूप और पोषण भी दूँगी
एक कलि खिलते समय ...

मेरी मन खुशी से भर गयी ...
जब यह पूरी तरह तरह खिलते हो ... तब खुलापन में बेच दूँगी
मैं उसको संरक्षण दे दूँगी जैसे मुझे मिली
एक कलि खिलते समय ....